उद्भव

उद्योग की संरचना एवं विकास

भारत के बडे पैमाने के उर्वरक एकक फेक्ट 1943 में स्थापित किया गया । 1947 में 10000 मी ट नाइट्रोजन के अधिष्टापित क्षमता के साथ उद्योगमंडल में अमोनियम सल्फेट का उत्पादन शुरू किया । अगस्त 15,1960 को फेक्ट एक केरल सरकार उपक्रम बन गया और नवंबर 21,1962 को भारत सरकार मुख्य शेयरधारी बन गई ।

फेक्ट के विस्तार के दूसरा चरण 1962 में पूरा किया गया । फेक्ट के विस्तार के तीसरा चरण 1965 को नई अमोनियम सल्फेट संयंत्र की स्थापना के साथ पूरा किया गया ।

समग्र एवं आधुनिक उर्वरक संयंत्रों की स्थापना करने के लिए अभियांत्रिकी,अभिकल्प,परामर्शी, जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में देशीय क्षमताओं के लिए निर्गत अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए फेक्ट इंजीनियरिंग एण्ड डिजाइन ऑर्गनाइजेशन जुलाई 24,1965 को स्थापित किया गया । तब से फेडो, रसायन, पेट्रोकेमिकल, हाइड्रोमटलर्जी, फार्मस्यूटिकल्स एवं अन्य क्षेत्रों में विविधीकृत किया गया । फेडो, परियोजना पहिचान, संयंत्र अभिकल्प के मूल्यांकन अधिप्राप्ति, परियोजना प्रबंध, स्थल पर्यवेक्षण और नए संयंत्रों का कमीशनिंग तथा पुराने संयंत्रों की मरम्मत एवं आधुनिकीकरण संबंधी सेवा प्रदान करती है।

उर्वरक संयंत्रों के लिए उपस्करों के निर्माण एवं स्थापना के लिए एक एकक के रूप में फेक्ट इंजीनियरिंग वर्क्स अप्रैल 13, 1966 को स्थापित किया गया । वर्षो से, फिऊ ने प्रेशर वेस्सल एवं हीट एक्स्चेंजर्स के निर्माण करने के लिए क्षमता विकसित किया । फिऊ ने रष्ट्रपार पाइप बिछाने एवं निर्माण का काम तथा हाइडल परियोजनाओं के बडे पेनस्टॉक्स स्थापित करने का काम लिया है ।

एफ ए सी टी के कोचीन डिविजन में दूसरा उत्पदन एकक अंबलमेडु में स्थापित किया गया और प्रथम चरण 1973 में कमीशन किया गया । एफ ए सी टी कोचीन डिविजन का दूसरा चरण 1976 में कमीशन किया गया ।

उर्वरक एवं रसायन के परंपरागत कार्यक्षेत्र की विविधीकरण योजना के रूप में उद्योगमंडल में 50,000 ट प्र व का केप्रोलेक्टम संयंत्र 1990 में कमीशन किया गया ।

जनहित विवाद पर फरवरी 1994 में केरल के उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार फेक्ट ने उद्योगमंडल में 638 करोड रुपए की लागत के 900 ट प्र दि का अमोनिया संयंत्र स्थापित किया जिससे विल्लिंगडन द्वीप (कोचीन पोर्ट) के वर्तमान आयातित अमोनिया टंकी तथा हाइंडलिंग सुविधा को बंद किया। अमोनिया संयंत्र 1998 में कमीश्न किया गया ।
कंपनी का मुख्य कारोबार (क) उर्वरकों एवं (ख) केप्रोलेक्टम का उत्पादन तथा विपणन एवं इंजीनियरिंग परामर्शी एवं उपस्करों की संरचना है ।